

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली में धूमधाम से मनाया गया संस्कृत दिवस व सप्ताह ।

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली में संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस व सप्ताह के उपलक्ष पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० भारती भागडा ने शिरकत की । 19 अगस्त से लेकर 25 अगस्त को समस्त भारतदेश में संस्कृत सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत संस्कृत से संबंधित विभिन्न गतिवधियाँ होती हैं। इस अवसर पर 19 अगस्त 2024 को संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत अनुवाद प्रतियोगिता करवाई गई तत्पश्चात 20 अगस्त को संस्कृत साहित्य से संबंधित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई गई। अनुवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्रुति ठाकुर, स्नातक द्वितीय वर्ष (23528016), द्वितीय स्थान पर स्नातक द्वितीय वर्ष की उर्वशी (23533029) और तृतीय स्थान पर स्नातक द्वितीय वर्ष का ही हितेश ठाकुर रहा। पोस्टर मेकिंग में तनिषा प्रथम, पंकज द्वितीय और काजल तृतीय स्थान पर रही । कार्यक्रम में प्रारंभ में विद्यार्थियों ने संस्कृत में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, उसके बाद श्रुति और महक ने शिवतांडव स्रोत एवं महिषासुरमर्दिनी स्रोत्र में शास्त्रीय नृत्य किया। तदोपरांत ईशान और टिया वर्मा ने संस्कृत गितिका पेश की। संस्कृत के कुछ छात्रों ने 'शूरा वयं वीर वयं....' संस्कृत समूहगान प्रस्तुत किया। सुदीक्षा ने संस्कृत भाषा के महत्व पर संस्कृत में भाषण दिया । संस्कृत के कुछ विद्यार्थियों ने मधुराष्टकम् भजन भी गाया और छात्राओं के द्वारा सुन्दर संस्कृत नाटी भी महाविद्यालय के सभागार में की गई। संस्कृत विषय के सह-आचार्य डॉ० राकेश शर्मा ने बताया कि संस्कृत बहुत ही महत्वपूर्ण व प्राचीन भाषा है। हम सभी का दायित्व है कि हमें इस भाषा को संजोए रखना है। संस्कृत भाषा हमारे भारत देश की सबसे प्राचीनतम, अलंकृत, तर्कसम्मत, व्याकरण के नियमों से परिशोधित, परिष्कृत, परिमार्जित, शास्त्रीय तथा वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत भाषा को देववाणी और कई भाषाओं की जननी माना जाता है इस भाषा ने विश्वभर के भाषा विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इस भाषा में धार्मिक-साहित्यिक आध्यात्मिक-दार्शनिक- वैज्ञानिक और मानविकी इत्यादि अनेक प्रकार के वांगमय की रचना हुई है। इस कार्यक्रम की मुख्य-अतिथि महोदया महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० भारती भागडा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संस्कृत भाषा के प्रति रूचि रखने का आवाहन किया और भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम का सफल समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रो. हिमानी सक्सेना, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. हेमलता, डॉ. बबीता ठाकुर तथा प्रो. अरुण कुमार आदि अन्य आचार्यगण तथा साहित्य परिषद क्लब कार्यकारिणी के सभी सदस्य मुख्य रूप से शामिल रहे ।

डॉ. राकेश शर्मा

सह-आचार्य संस्कृत



